an>

Title: Need to provide special budgetary assistance for the beautification and development of "Mainal" tourist spot in Chittorgarh Parliamentary Constituency, Rajasthan.

**श्री चन्द्र प्रकाश जोशी (चित्तौड़गढ़) :** सभापति महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में तीन ऐसे स्थानों के बारे में सरकार का ध्यान आकृÂट कराना चाहता हूं जो धार्मिक और पर्यटन की दÂिट से महत्वपूर्ण हैं। चित्तौड़गढ़ से 45 किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे - 27 पर 12वीं सदी के राजा पृथ्वी राज चौहान द्वारा ऐतिहासिक महत्व का एक मंदिर शिवालय जिसे वास्तु और शिल्पकला की वजह से मिनी खुजराहो के नाम से जाना जाता है। प्राकृतिक जलप्रपात के कारण देश और विदेश के पर्यटकों का वहां आना-जाना लगा रहता है।

**19.00hrs**

यह स्थल सघन वन क्षेत्र से हरा-भरा है। उसमें उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बून्दी, रणथम्भौर व सरिस्का के पर्यटकों का भी यहां आना-जाना रहता है। 28 जून, 2015 को आकाशवाणी के मन के कार्यक्रम में पूरे देश से जनता द्वारा भिजवायी गयी दुर्लभ प्राकृतिक स्थानों में से माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा मैनाल जल प्रभात का स्मरण करना अपने आप में उस स्थान के महत्व को प्रकट करता है।

सभापति महोदय, मैं एक ऐसा स्थान मातृकुण्डिया के बारे में बताना चाहता हूं, जो मेवाड का हरिद्वार कहलाता है। वह भगवान परशुराम की तपस्थली रही है। उस तप स्थली पर एक बहुत बड़ा जल कुण्ड है, जिसके कारण उसे मातृकुण्डिया का स्थान कहा गया है। प्रतापगढ़ जिले में अरनोद के पास एक गौतमेश्वर महादेव गुफा में बहुत बड़ा धार्मिक स्थल है। लोग कहते हैं कि वहां सिर्फ नहाने से ही पाप से मुक्ति मिल जाती है। ये तीनों ऐसे धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटक स्थल हैं और पुरातत्व विभाग की दÂिट से भी महत्वपूर्ण स्थान हैं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृÂट करना चाहता हूं कि पर्यटन एवं पुरातत्व विभाग इसके लिए एक विशेÂा पैकेज बनाकर बजट आवंटित करे। इससे निश्चित रूप से हमारी धार्मिक, आध्यात्मिक, पुरातत्व और महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों को विकसित करने का काम होगा।

**माननीय सभापति :** m02 श्री सी.आर. चौधरी को श्री चन्द्र प्रकाश जोशी द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।